

# युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा - कुलाधिपति डॉ. गदिया

## मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का हुआ समापन

• दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023 का समापन हुआ। अंतिम दिन समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये। दूसरे दिन आयोजित हुई झींगलश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिन्ह भी वितरित किए गए।

**सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय : सी. आर. चौधरी**

वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय सरकारी भाषी और पूर्व संसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मोहित करते हुए कहा कि सतत विकास मनव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमें प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं



करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसकी संजोकर रखना चाहिए।

कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सैकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सके। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने बड़ी निपुणता और आत्मविश्वास से अपने विषय पर मत रखें, वह काफ़ी प्रशंसनीय है। अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, कुलाधिपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित

रहे।

### प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

आयोजन समिति अध्यक्षा डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को पाच लाख रुपये नकद और श्री नंदलाल गदिया भेंमोरियल रिंग द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता 31 हजार रुपये आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती मिश्रा व मलीष कुमार और एलडीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता 21 हजार रुपये सोनिया गर्लस कॉलेज अजमेर की वृद्ध पराशर व हर्षिता और एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राखी व सूरज मिश्रा रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता 11 हजार रुपये देव

संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के अंतिक राजनीत व यशस्वी पांडे और लॉ कॉलेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शतक्षी शर्मा व पर्य नारायण सिंह रहे। अंग्रेजी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता जमिया भिलिया इस्लामिया दिल्ली विश्वविद्यालय के सुदीप कृष्णा व प्रियांशु चौहान और बनस्थली विद्यापीठ के प्रियंका प्रतापगढ़ और काव्या सिंह रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता सोनिया गर्लस कॉलेज ऑटोनॉमस अजनेर की भव्या श्रीवास्तव व प्रियांशु चावला और आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जयंती व मलीष कुमार रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता जीवी पंत यूनिवर्सिटी के प्रज्ञा व गौरव तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर के आर्यन अग्रवाल व नेहा शर्मा रहे। हिंदी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल व सुधांशु ठाकर व द्वितीय पुरस्कार भगवंत यूनिवर्सिटी अजमेर के प्रिया डांगी व मनु शर्मा व तृतीय पुरस्कार शहीद भगत सिंह इवनिंग कॉलेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली के अभिनव सिंह व योगिता यादव को मिला। अंग्रेजी माध्यम में सांत्वना पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गोरखी माहेश्वरी व प्रियांशु चावला, द्वितीय पुरस्कार द आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी जयपुर की शिवानी बागवाल व सुहानी सिंह तृतीय पुरस्कार देव संस्कृत यूनिवर्सिटी उत्तराखण्ड के आनंदिता मौर्य व अभय शर्मा को मिला। हिंदी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार भगवंत यूनिवर्सिटी अजमेर की प्रिया डांगी व दूसरा पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमांशु जिंदल को मिला वहीं अंग्रेजी माध्यम में बेस्ट स्पीकर का पहला पुरस्कार द आईसीएफएआई जयपुर की शिवानी बागवाल द्वितीय पुरस्कार पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ की गोरखी महेश्वरी को मिला।

+

C M Y K

+

C M Y K

# मेवाड़ विवि में वाद विवाद प्रतियोगिता का समापन

» आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा ने जीता प्रथम पुरुषकार

गंगारा, 4 मार्च (जस.)।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय नंदलाल गदिया सृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023 का प्रथम पुरुषकार आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता, जिसमें पांच लाख रुपये नकद और नंदलाल गदिया मेमोरियल रिंग ट्रॉफी प्रदान की गई।

प्रतियोगिता के अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए, विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। प्रतियोगिता में दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि स्थानों से



250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मैके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरुषकार एवं सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट और सृति चिन्ह प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट

के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकुलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह आज

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में रविवार को आयोजित होने वाले सांतवें वार्षिक दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। वाइस चांसलर डॉ. आलोक कुमार मिश्र ने बताया कि दीक्षांत समारोह में उड़ीसा हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस इशरत मसरूर कुहुसी मुख्य अतिथि एवं अजमेर के सेंट्रल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रोफेसर आनंद भालेराव गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहेंगे। समारोह में मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक कुमार गदिया भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस मैके पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को भी मानद उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

Jannayak 05-03-2023

## देश की जनता सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, मतदान अवश्य करें : शर्मा हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें : कुलाधिपति गदिया

ताज़ा

**बिहारीडग्डु**। खेलाइ विश्वविद्यालय और एसोसिएटेन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संगके क्लबाइन में खेलाइ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय "अखिल भारतीय श्री बैतलाल गदिया स्मृति वाद-नियाद प्रतियोगिता-2023" का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पश्च अंतिम फूहरें यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलाधिपति व वर्तमान राज्यसभा उच्च विधायक अध्येता के उपचास के लिए शामि, ड्रेफर सर जी, के अध्यात्म महारत और विधायिकों के विदेशीजों की उपस्थिति में यहां प्राप्त ज्ञान सेवन इसी में कार्यक्रम आयोजित हुआ। विदेशीजों की शुरुआत खेलाइ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व अध्यक्ष कमान "गदिया जी उपस्थिति में अधिकारीजों द्वारा मा सरकारी के साथ दीप प्रश्नानन कर जी गए। इसके बाद मुख्य अधिकारी का अधिकार का पर्याप्त रूप से स्वतान्त्र



किया गया। कार्यक्रम के मुख्य चक्का केलाल गमी ने इस प्रतियोगिता के विषय "भारतीय लोकलंग में मतदान अंतिम होना चाहिए" पर लट्टान देते हुए कहा कि हमारे देश में विश्वविद्यालय को संखितिया विवास करती है विश्वविद्यालय में एकता का सदैश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार जुने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतीयों का फैज़ बनाता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकलंग को मजबूत बनाए। उन्होंने कहा कि बाद विवाद के द्वारा विषय को कर लाक द्वारा देश विश्व में महाराजा

उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकल सके कि हम लोकलंग को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर खेलाइ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व अध्यक्ष कुमार गदिया ने आगे द्वारा में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित कर कर लाक द्वारा देश विश्व में महाराजा

के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ यौवानों की माँ है और उन्हें एक दिया देने की आवश्यकता है जैसे यह योग्य बना सकते हैं। इस अवसर पर खेलाइ विश्वविद्यालय के लोकलंग को मजबूत बनाए। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश विषय से कम जहाँ है वह आज हमें इस ताकत को सही दिया में लाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही हमें विश्व शाक बनाएगा। इस अवसर पर

प्रति कुलपति डॉ आर्जन वर्धन शुक्ला ने कहा कि बाद विवाद प्रतियोगिता वीक्स परेशारा से चाहती आ है और विदेशी सम्पदा के समाज को निकालने के लिए बाद विवाद प्रतियोगिता एक सहानियोग तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य बाद विवाद प्रतियोगिता यह तर्फ कहनी कि मतदान एक समस्या लोकलंग के लिए कितना आवश्यक है ताकि इस लोकलंग की मजबूत करने में सहयोग कर सकें। प्रतियोगिता के संघेजात डॉ लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देश पर में 250 के छाता-छाता एवं दिस्ता ले रही है। विदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और बनेनी द्वारा योग्य जो विश्वविद्यालय द्वारा बनेनी द्वारा योग्य लाभ करने वाले और "श्री बैतलाल गदिया मोर्योपाल श्रीनीवासी" पुस्तकार के लाल में द्वारा दिया जाता है। यह चाले दिल्ली भाषा में 156 प्रतियोगिताएँ ने आगा जैसे स्पौत्र अवश्य के लाल में द्वारा दिया जाता है। इस अवसर में कुलपति प्रोफेसर आयोग मिशन, प्रृथ्वी कुलपति समीक्षण दीक्षित विश्वविद्यालय एवं विद्यालयों के विभागों, प्रश्नाप्राप्ति, अवश्यकता विभागों द्वारा दिया जाता है।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय “अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता” का आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राएं ले रहे हैं हिस्सा

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इंगिनियर्स यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय “अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023” का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपायकारी कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल थे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति

में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ञलन कर की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय “भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए” पर उद्घोषण देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियां निवास करती हैं जिनमें एकता का सदैश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भवित्व अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

इस अवसर पर मेवाड़



विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व अशोक कुमार गदिया ने अपने प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व उद्घोषण में कहा कि भारत युवाओं में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। इस अवसर पर प्रति कुलपति

डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निकर्षं तक पहुंचने की प्रांगी है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तथ करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना अवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अंग्रेजी भाषा तें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हें अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। युश्वार को विदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने अपने विचार व्यक्त किए।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राएँ ले रहे हैं हिस्सा

चित्तौड़ा (नरेश सोनी, हैनो कार्यक्रम के मूल्य वका कैलाश गजवाण)। मेवाड़ विश्वविद्यालय शर्मा ने इस प्रतियोगिता के बिषय और एसेसमेंशन ऑफ इण्डियन "भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए" पर उद्घोषण तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न 02 मार्च से दो दिवसीय "अखिल तद्ध की मंसूक्तिया निवाप करती है भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023" का उभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मूल्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान बजारधान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैसास रामा, प्रोफेसर जी.के. अश्वाल सहित कई विषयों के विरोधों जी उपस्थिति में महाराणा भरतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और प्रताप सेनियर हॉल में कार्यक्रम भरतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। अतोंजित हुआ जिसकी शुरुआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार निवा की है कि हम युवा शक्ति से अपने उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां अपने विचार जानने और उनकी सम्मति के समाप्त दीप पञ्चलन प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निकर्ष कर की गयी। इसके बाद मुख्य निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं।

रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ वे देश के विकास में भागीदारी निभा



विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ संकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत अशोक कुमार गदिया ने अपने ऐसे किसी से कम नहीं है बल आज उद्घोषन में कहा कि भारत युवाओं हमें इस ताकत को सही दिशा में का। देश है और हमारा पहला कर्तव्य ताना है और इस देश का संभवेष्ट है कि हम युवाओं को शिक्षित व युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएं। प्रश्नाशक्ति करते ताकि हमारे देश विश्व इस अवसर पर प्राप्त कुलपति डॉ में महाराष्ट्र के रूप में जाना जा आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद संकें। हमारी भास्त माता 70 करोड़ विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से नैजवानों की म है और उन्हें एक चली आ रही है और किसी समस्या दिशा देने की आवश्यकता है ताकि के समाधान को निकालने के लिए विश्वविद्यालय एक सही

निकर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। उन्हें अलग-अलग प्रथम विजेता के मतदान अनिवार्य वाद विवाद रूप में 3100/- द्वितीय विजेता के प्रतियोगिता वाद तय करेगी कि रूप में 21000/- और तृतीय मतदान एक स्वास्थ लोकतंत्र के लिए विजेता के रूप में 11000/- रूपये के मतदान आवश्यक है ताकि हम का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। लोकतंत्र को मजबूत करने में इसके अलावा बस्ट स्पीकर अवाड़ सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम लोकेश शर्मा ने बताया कि संयोजक नवीरेद सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएँ हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम के द्वारा विश्वविद्यालय, दिल्ली बनेगी उसे पांच लाख रूपये और विश्वविद्यालय दिल्ली, जमिया "श्री नंदलाल गदिया मैमोरियल मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, रिंग ट्रॉफी" पुरस्कार के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि हिंदू भाषा में 156 प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय को टीमें हिस्सा ले रही थीं लिया और विषय से संबंधित हैं आयोजन ममिति अध्यक्ष डॉ. अपने अपने विचार व्यक्त किए।

चेत्तेलेला शिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दोक्षित लहित ग्रीमें शमिल हैं प्रत्येक टीम में दो विभिन्न विभागों के वेभागाध्यक्ष, विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इनमें से जो प्राच्यापक्षण एवं विद्यार्थी द्वारा माध्यमों में विजेता होंगी उपस्थित रहें।

# सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय: सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा: कुलदिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ का समाप्त

आईएमएस लॉ कॉर्टेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रुपये नगद और “श्री नंदलाल गदिया मेरमारियल रनिंग ट्रॉफी” पुरस्कार

## राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का अंतिम दिन समाप्त हुआ। अंतिम दिन समाप्त के अवसर पर देश के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए संबोधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अंजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये। दूसरे दिन आयोजित हुई डॉल्स भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी**



प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिह्न भी वितरित किए गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतारू मुख्य अतिशी पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मोहित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमें प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीड़ियों के लिये इसको सजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से अपने आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी संबोधन में कहा कि जिस प्रकार अपने रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सेकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने %में इन ईड्डाएं और %स्टार्टअप्स% नीति भी चला रखी है ताकि

युवा खुद उधमी बनकर दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा सके। विश्वविद्यालय में पूर्व में अपनी सेवा दे चुके सी. आर चौधरी ने स्वर्गीय श्री नंदलाल गदिया को उद्देश्य लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि सही प्रतिनिधि का चुनाव हो सके। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य साधारण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकूलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकूलपति संस्कृत विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राच्यापकाण एवं विद्यार्थी उपायकृत रहे।

## प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

अयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि पुत्रियोगिता में आईएमएस लॉ कॉर्टेज नोएडा की टीम को पांच लाख रुपये नकद और “श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी” पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता (31000/-रु) आईएमएस लॉ कॉर्टेज नोएडा के जयंती मिश्र व मनीष कुमार और एलटीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता (21000/-रु) सोफिया गर्लैंस कॉर्टेज अजमेर की बृंदा पराशर व हर्षिता और एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राधी व सूरज मिश्रा रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता (11000/- रु) देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के ऋत्तिक राजगौर व यशस्वी पांडे और लॉ कॉर्टेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शताक्षी शर्मा व गौरवी महेश्वरी को मिला। हिंदी माध्यम में बेस्ट सीकर का पहला पुरस्कार भागवत यूनिवर्सिटी अजमेर की प्रिया डांगी व दूसरा पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमाशु जिंदल को मिला वहीं अंग्रेजी माध्यम में बेस्ट सीकर का पहला पुरस्कार द आईसीएफएआई जयपुर की शिवानी बागवाल द्वितीय पुरस्कार पीजी कॉर्टेज चित्तौड़गढ़ की

# सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय : सी. आर. चौधरी

**युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा : कुलाधिपति डॉ. गदिया**

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समाप्त

आईएएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रुपये व नवंग और "श्री नंदलाल गदिया मेनोटियल एनिंग ट्रॉफी" पुरस्कार

**सच मीडिया**

चिन्हाडगढ़(लाडव स्टोरी - अमित कुमार चेचारी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसेसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय + ऑफिल भारतीय श्री



नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023+ का समापन हुआ। अंतिम दिन चाहिए+ संबोधित विषय पर अपने समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभागियों ने

अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनासर, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों में बढ़-

250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार अपने विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनासर, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर हुई इम्प्रेशन भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही

एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रायसन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टीफिकेट और सूची बिन्ह भी वितरित किए गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व संसद सी. आर. चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने

## विविध

जयपुर, शनिवार, 4 मार्च 2023

# सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालयः सी. आर. चौधरी युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा : कुलाधिपति डॉ. गदिया

## मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समाप्त

न्यूज ज्योति

**चिन्तनौड़गढ़।** मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023- का समाप्त हुआ। अतिम दिन समाप्त के अवसर पर देश के कोने-कोने से आई प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में +भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए- संबंधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये।



दूसरे दिन आयोजित हुई इंगिलश भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में आई प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और

वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सटीफिकेट और सूची चिन्ह भी वितरित किए गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बौतर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मोहित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बहद जरूरी है, हमे प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सैकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने %में इन इंडिया% और %स्टार्टअप% नीति भी चला रखी है ताकि युवा खुद उभयी बनकर

दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा सके। विश्वविद्यालय में पूर्व में अपनी सेवा दे चुके सी. आर चौधरी ने स्वर्णीय श्री नंदलाल गदिया को नमन करते हुए कहा कि उस व्याकित्व की सोच का ही परिणाम है कि उन्होंने सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाएँ की अवधारणा पर काम करते हुए मेवाड़ जैसे ग्रामीण क्षेत्र में मेवाड़ विश्वविद्यालय की आधारिशला रखी जिसमें आज न केवल देश के कोने-कोने से बल्कि विदेशों से, अप्रौढ़ा और एशिया महाद्वीपीय देशों से भी विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं ताकि उज्जवल भविष्य का निर्माण हो सकें। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने अपने संबोधन में कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने बड़ी निपुणता और आत्मविश्वास से अपने विषय पर मत रखें, वह काफी प्रशंसनीय है।

# युवा रोजगार लेने वाला नहीं बल्कि देने वाला बने : पूर्व मंत्री चौधरी



चित्तौड़गढ़। मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 'अखिल भारतीय श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद- विवाद प्रतियोगिता- 2023' का समापन हुआ। अंतिम दिन प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में 'भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए' विषय पर विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर से प्रतिभागी पहुंचे। दूसरे दिन इंग्लिश भाषा की प्रतियोगिता में 94 एवं हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सीआर चौधरी

ने कहा कि हमें प्राकृतिक संसाधनों को भावी पीढ़ियों के लिए संजोकर रखना चाहिए। मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि जिस प्रकार प्रतिभागियों ने निपुणता और आत्मविश्वास से विषय पर मत रखे, वह प्रशंसनीय है। बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा, प्रो. वाइस चांसलर आनंदवर्धन शुक्ला, प्रो. वाइस चांसलर सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को 5 लाख रुपए नकद और श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी पुरस्कार दिया गया।

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का समापन

# सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी

आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम को

पांच लाख रुपए नगद और

ट्रॉफी देकर किया सम्मानित

अंगराट/ वित्तीडब्ल्यू

मेवाड़ यूनिवर्सिटी में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में चल रही दो दिवसीय अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता में कुल 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सी. आर चौधरी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमें प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीढ़ियों के लिये इसको संजोकर रखना चाहिए। इस अवसर पर मेवाड़ यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. अशोक कमार गदिया ने कहा कि भारत 70 करोड़ युवाओं का देश है और यही युवा शक्ति देश का कर्णधार है। युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा।

अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में वोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य राधाकृष्ण गदिया, वाइस चांसलर डॉ. आलोक मिश्रा, प्रो. वाइस चांसलर आनंदवर्धन शुक्ला, प्रो. वाइस चांसलर सर्वोत्तम दीक्षित उपस्थित रहे।



## प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जवांती मिश्रा, मनीष कमार और एलडीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कवर, द्वितीय अजयमेर की बांदा पराशर व हर्षिता, गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राखी व सूरज मिश्रा, तृतीय हरिद्वार के त्रयीक राजगोर व वशस्वी पांडे और लॉ कॉलेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शतांशी शर्मा व पर्यावरण सिंह रहे।

अग्रिमी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता दिल्ली के सुदीप कुम्हा व प्रियांशु चौहान, बनस्थली विद्यापीठ के प्रियंका प्रतापगढ़ और काव्या सिंह, द्वितीय विजेता सोफिका गलर्स कॉलेज ऑटोनॉमस अजयमेर

की भव्या श्रीवास्तव व प्रियांशी चावला और आईएमएस लॉ कॉलेज नोएडा के जवांती व मनीष कुमार रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता जीवी पंत यूनिवर्सिटी के प्रज्ञा व गौरव तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जोधपुर के आवंन अग्रवाल व नेहा शर्मा रहे। वाद-विवाद प्रतियोगिता को प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए शाम के समय मेवाड़ यूनिवर्सिटी के फाइन आर्ट विभाग की डीन डॉ. चित्रलेखा सिंह के निदेशन में अभिव्यक्ति-समारोह आयोजित किया गया। जिसमें कलाकारों ने विभिन्न रंगरंग कार्यक्रम के माध्यम से आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य और गायन की प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी में निर्मित प्रभाष जोशी गांधी म्यूजियम, साईंस म्यूजियम, ज्योतिष म्यूजियम, योग म्यूजियम, आर्ट सैलरी आदि विभिन्न म्यूजियम का अवलोकन किया।

जयपुर शुक्रवार, 3 मार्च 2023

# हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है मतदान अवश्य करें - शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित  
व प्रशिक्षित करेताकि  
हमारा देश विश्व में  
महाशक्ति के रूप में  
जाना जा सके-  
कलाधिपति गदिया  
मेवाड़ विश्वविद्यालय में  
दो दिवसीय  
हाहायाखिल भारतीय  
श्री नंदलाल गदिया  
स्मृति वाद-विवाद  
प्रतियोगिता-2023 का  
हुआ आगाज  
देशभर के  
विश्वविद्यालयों के 250  
से ज्यादा छात्र-छात्राएं  
ले रहे हैं हिस्सा  
चिन्हाइगढ़ (लाइव स्ट्रोगे-अमित कुमार

(चेतानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एस्सीएस ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय हाहायाखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 हाहायाखिल का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा अधियक्ष के उपायक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराणा प्रताप संगीनर हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया को उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मास सहस्रवती के समाप्त दोप प्रज्ञवान कर की गयी। इसके बाद मुख्य अधिकारी की अधिकारी का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय हाहायाखिल लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए हाहायाखिल पर झोंझोन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियां निवास करती हैं



विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतीयों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्हेंने कहा कि बाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यह है कि हम युवा जनको से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निकर्ष निकाल सकें कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत करा सकते हैं।

इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद कर्मन युक्ता ने कहा कि बाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए बाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निकर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य बाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वास्थ्यलोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर में 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनास हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राच्यावकाश एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ.

# हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है मतदान अवश्य करें- शर्मा

हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महारक्षि के रूप में जाना जा सके- कुलाधिपति गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय “अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023” का हुआ आगाज़।

## गजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसेसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआई) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुवार से दो दिवसीय “अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023” का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान गणस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपच्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर डॉ. जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महाराष्ट्र प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती



के समक्ष दीप प्रज्जलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय “भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए” पर झोड़न देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियों निवास करती है विविधता में एकता का सदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भवित्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय

को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने झोड़न में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहल कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिखित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारे देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मात्र है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने

सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएंगा। इस अवसर पर प्रति कुलपति डॉ आनंद कवीन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदेक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्य के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तय करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें। प्रतियोगिता के स्योजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छत्त्र-छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जमिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम

विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दू और अग्नेय माध्यम की दो टीमें शामिल हैं। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हें अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बैस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम स्योजक वैरेंट सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में ऑफरऑल चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम बनेगी उसे पांच लाख रुपये और “श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रिंग ट्रॉफी” पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जायेगा। गुरुवार को हिंदी भाषा में 156 प्रतियोगियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्र, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राच्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है मतदान अवश्य करें: शर्मा

## हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके- कुलाधिपति गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय “अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023” का हुआ आगाज़, देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राएं ले रहे हैं हिस्सा

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में गुरुवार से दो दिवसीय “अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023” का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल सहित कई विषयों के विशेषज्ञों की उपस्थिति में महारणा प्रताप सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसकी शुरूआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर की गयी। इसके बाद मुख्य अतिथि का अतिथि का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय “भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए” पर उद्घोथन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतिया निवास करती है विविधता में एकता का संदेश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज



बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि वाद विवाद के इस विषय को चुनने का मकसद यही है कि हम युवा शक्ति से अपने अपने विचार जानने और उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया ने अपने उद्घोथन में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत माता 70 करोड़ नौजवानों की मां है और उन्हें एक दिशा देने की आवश्यकता है ताकि वे देश के विकास में भागीदारी निभा सकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश किसी से कम नहीं है बस आज हमें इस ताकत को सही दिशा में लगाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएगा।



## प्रादेशिक

जयपुर, शुक्रवार, 3 मार्च 2023

विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा विद्यार्थी ले रहे भाग

## नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता प्रारंभ



गंगराम, 2 मार्च (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के संयुक्त तत्वाधान में 2 मार्च से दो दिवसीय अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ गणस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा व प्रोफेसर जीके अग्रवाल के मुख्य आविष्य में हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा

ने प्रतियोगिता के विषय भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए, पर उद्घोषन देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियां निवास करती हैं जो विविधता में एकता का सद्वेषा देती है। हमारे देश की जनता देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार देश का भविष्य अपनी योजनाओं द्वारा निर्धारित करती है। सभी भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान

अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। इस अवसर पर मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि भारत युवाओं का देश है, हमारा पहला कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं

हिस्सा ले रही हैं। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनास हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें भाग ले रही हैं। आयोजन समिति अध्यक्ष आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रांत कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Jannayak 03-03-2023

## शिक्षा की खबर...

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में अभा श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज़

चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इण्डियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वावधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जौके अग्रवाल थे। मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए पर कहा कि सरकार देश का भविष्य अपनी योजनाओं से निर्धारित करती है। इसलिए हम सब मतदान अवश्य करें। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोककुमार गदिया ने कहा कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें, ताकि देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। कुलपति डॉ. आनंदवर्धन शुक्ला ने कहा कि किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता निकर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। प्रतियोगिता संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31 हजार, द्वितीय को 21 हजार और तृतीय को 11 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11 हजार रूपए का इनाम दिया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्रसिंह भाटी ने बताया कि ओवरऑल चैम्पियन को पांच लाख और श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी दी जाएगी। गुरुवार को हिन्दी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित उपस्थित रहे।



विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्रीनंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा, प्रोफेसर जौके अग्रवाल थे। मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने भारतीय लोकतन्त्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए पर कहा कि सरकार देश का भविष्य अपनी योजनाओं से निर्धारित करती है। इसलिए हम सब मतदान अवश्य करें। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोककुमार गदिया ने कहा कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें, ताकि देश विश्व में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। कुलपति डॉ. आनंदवर्धन शुक्ला ने कहा कि किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता निकर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। प्रतियोगिता संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हे अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31 हजार, द्वितीय को 21 हजार और तृतीय को 11 हजार रूपए का पुरस्कार दिया जाएगा। बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11 हजार रूपए का इनाम दिया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक वीरेंद्रसिंह भाटी ने बताया कि ओवरऑल चैम्पियन को पांच लाख और श्री नंदलाल गदिया मेमोरियल रनिंग ट्रॉफी दी जाएगी। गुरुवार को हिन्दी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आलोक मिश्रा, कुलपति सर्वोत्तम दीक्षित उपस्थित रहे।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का हुआ आगाज़

देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राएँ ले रहे हैं हिस्सा

चित्तौड़ा (नरेश सोनी, हैनो कार्यक्रम के मूल्य वका कैलाश गजवाण)। मेवाड़ विश्वविद्यालय शर्मा ने इस प्रतियोगिता के बिषय और एसेसमेंशन ऑफ इण्डियन "भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए" पर उद्घोषण तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न 02 मार्च से दो दिवसीय "अखिल तद्ध की मंसूक्तिया निवाप करती है भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023" का उभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मूल्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान बजारधान उच्च शिक्षा आयोग के उपाध्यक्ष कैसास रामा, प्रोफेसर जी.के. अश्वाल सहित कई विषयों के विरोधों जी उपस्थिति में महाराणा भरतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और प्रताप सेनियर हॉल में कार्यक्रम भरतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। अतोंजित हुआ जिसकी शुरुआत मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार निवा की है कि हम युवा शक्ति से अपने उपस्थिति में अतिथियों द्वारा मां अपने विचार जानने और उनकी सम्मति के समाप्त दीप पञ्चलन प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निकर्ष कर की गयी। इसके बाद मुख्य निकाल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं।

रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मेवाड़ वे देश के विकास में भागीदारी निभा



विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ संकें। उन्होंने आगे कहा कि भारत अशोक कुमार गदिया ने अपने ऐसे किसी से कम नहीं है बल आज उद्घोषन में कहा कि भारत युवाओं हमें इस ताकत को सही दिशा में का। देश है और हमारा पहला कर्तव्य ताना है और इस देश का संभवेष्ट है कि हम युवाओं को शिक्षित व युवा ही इसे विश्व शक्ति बनाएं। प्रश्नाशक्ति करते ताकि हमारे देश विश्व इस अवसर पर प्राप्त कुलपति डॉ में महाराष्ट्र के रूप में जाना जा आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद संकें। हमारी भास्त माता 70 करोड़ विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से नैजवानों की म है और उन्हें एक चली आ रही है और किसी समस्या दिशा देने की आवश्यकता है ताकि के समाधान को निकालने के लिए विश्वविद्यालय एक सही

निकर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया है। उन्हें अलग-अलग प्रथम विजेता के मतदान अनिवार्य वाद विवाद रूप में 3100/- द्वितीय विजेता के प्रतियोगिता वाद तय करेगी कि रूप में 21000/- और तृतीय मतदान एक स्वास्थ लोकतंत्र के लिए विजेता के रूप में 11000/- रूपये के मतदान आवश्यक है ताकि हम का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। लोकतंत्र को मजबूत करने में इसके अलावा बस्ट स्पीकर अवाड़ सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. इनाम दिया जायेगा। कार्यक्रम लोकेश शर्मा ने बताया कि संयोजक नवीरेद सिंह भाटी ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएँ हिस्सा ले रहे हैं। जिसमें चैम्पियन जो विश्वविद्यालय टीम के द्वारा विश्वविद्यालय, दिल्ली बनेगी उसे पांच लाख रूपये और विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, रिंग ट्रॉफी पुरस्कार के रूप में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि हिंदू भाषा में 156 प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय को टीमें हिस्सा ले रही थीं लिया और विषय से संबंधित हैं आयोजन ममिति अध्यक्ष डॉ. अपने अपने विचार व्यक्त किए।

चेत्तेलेला बिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय प्रोफेसर आलोक मिश्रा, प्रति कुलपति सर्वोत्तम दोक्षित लहित ग्रीमें शमिल हैं प्रत्येक टीम में दो विभिन्न विभागों के वेभागाध्यक्ष, वेद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इनमें से जो प्राच्यापक्षण एवं विद्यार्थी द्वारा माध्यमों में विजेता होंगी उपस्थित रहें।

# मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय “अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता” का आगाज़

**देशभर के विश्वविद्यालयों के 250 से ज्यादा छात्र-छात्राएं ले रहे हैं हिस्सा**

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इंगिनियर्स यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय “अखिल भारतीय नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023” का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति व वर्तमान राजस्थान उच्च शिक्षा आयोग के उपायक वैलेश शर्मा, प्रोफेसर जी.के. अग्रवाल थे। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया की उपस्थिति

में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ञलन कर की गयी।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैलाश शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय “भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए” पर उद्घोषण देते हुए कहा कि हमारे देश में विभिन्न तरह की संस्कृतियां निवास करती हैं जिनमें एकता का सदैश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भवित्व अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। इसलिए हम सब भारतवासियों का फर्ज बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं।

इस अवसर पर मेवाड़



विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ हैं कि हम युवाओं को शिक्षित व अशोक कुमार गदिया ने अपने प्रशिक्षित करे ताकि हमारा देश विश्व उद्घोषण में कहा कि भारत युवाओं में महाशक्ति के रूप में जाना जा सके। इस अवसर पर प्रति कुलपति

डॉ आनंद वर्धन शुक्ला ने कहा कि वाद विवाद प्रतियोगिता वैदिक परंपरा से चली आ रही है और किसी समस्या के समाधान को निकालने के लिए वाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निकर्षं तक पहुंचने की प्रांगी है। मतदान अनिवार्य वाद विवाद प्रतियोगिता यह तथ करेगी कि मतदान एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कितना अवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र को मजबूत करने में सहयोग कर सकें।

प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से 250 के छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रही हैं। जिसमें केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय दिल्ली, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अंदरस हिन्दू विश्वविद्यालय आदि विश्वविद्यालय की टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ चित्रलेख सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विश्वविद्यालय से हिन्दू और अंग्रेजी माध्यम की दो टीमें शामिल हैं। प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी भाग लें रहे हैं। इनमें से जो टीमें दोनों माध्यमों में विजेता होंगी उन्हें अलग-अलग प्रथम विजेता के रूप में 31000/- द्वितीय विजेता के रूप में 21000/- और तृतीय विजेता के रूप में 11000/- रूपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा बेस्ट स्पीकर अवार्ड के रूप में 11000/- रूपये का इनाम दिया जायेगा। युश्वार को विदी भाषा में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया और विषय से संबंधित अपने अपने विचार व्यक्त किए।

## देश की जनता सरकार चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, मतदान अवश्य करें : शर्मा हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित करें : कुलाधिपति गदिया

ताज़ा

**बिहारीडग्डु**। खेलाइ विश्वविद्यालय और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संगकरण में खेलाइ विश्वविद्यालय में 02 मार्च से दो दिवसीय "अखिल भारतीय श्री बैतलाल गदिया स्मृति वाद-निवाद प्रतियोगिता-2023" का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के पाल्य अधिकारी फुटबॉल यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपती व वर्तमान राजस्वन उच्च शिक्षण अविष्यग के उपचालक कलाश शर्मा, ब्रेकर जी, के अध्यक्षता महान संस्करण के विशेषज्ञों के उपस्थिति में यशोवर्ण ज्ञान संस्कार इकाई में कार्यक्रम आयोजित हुआ। विशेषज्ञों के शुरुआत में खेलाइ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व अधिकारी कमान गदिया के उपस्थिति में अधिकारीहों द्वारा मास्टर्सी के समाज दीप प्रश्नालय का दीप। इसके बाद मुख्य अधिकारी का अधिकारीका दीप से लगाया



किया गया। कार्यक्रम के मुख्य चक्का केलाल शर्मा ने इस प्रतियोगिता के विषय "भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए" पर लट्टुनाम देते हुए कहा कि हमारे देश में विश्वविद्यालय को संख्यात्मक विवास करती है विश्वविद्यालय में एकता का सदैश देती है। साथ ही हमारे देश की जनता हमारे देश की सरकार कुनै भूमिका नहीं धूमिका

निभाती है और यही सरकार हमारे देश का भविष्य अपनी योजनाओं के द्वारा निर्धारित करती है। हमारी हम सब भारतीयवर्षों का फँज़ बनता है कि हम मतदान अवश्य करें और भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं। उन्होंने कहा कि बाद विवाद के द्वारा विषय को जुनून का मकान यही है कि हम युवा योंक से अपने अपने विचार जानें और

उनकी प्रतिक्रिया के माध्यम से यह निष्कर्ष निकल सके कि हम लोकतंत्र को कैसे मजबूत बना सकते हैं। इस अवसर पर खेलाइ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व अधिकारी कुमार गदिया ने अपने द्वारा में कहा कि भारत युवाओं का देश है और हमारा पहला कर्तव्य है कि हम युवाओं को शिक्षित व प्रशिक्षित कर ताकि हमारे देश विश्व में महानाक

के रूप में जाना जा सके। हमारी भारत मात्र 70 करोड़ यौवानों की मात्र है और उन्हें एक दिया देने की आवश्यकता है जिसे यह योग्य बना सकते हैं। इस अवसर पर खेलाइ विश्वविद्यालय के लोकतंत्र की मजबूत बनाएं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे देश किसी से कम नहीं है वह आग हमें इस ताकत को सही दिया में लाना है और इस देश का सर्वश्रेष्ठ युवा ही हमें विश्व शाक बनाएगा। इस अवसर पर

प्रति कुलपति डॉ आर्जन वर्धन शुक्ला ने कहा कि बाद विवाद प्रतियोगिता बैठक परेंट्स से चाहती आ है और विद्युती सम्पदा के समाज को निकालने के लिए बाद विवाद प्रतियोगिता एक सही निष्पत्ति तक पहुंचने की प्रक्रिया है। मतदान अनिवार्य बाद विवाद प्रतियोगिता यह तर्फ कहने कि मतदान एक सर्वस लोकतंत्र के लिए किसी आवश्यक है ताकि हम लोकतंत्र की मजबूत करने में सहयोग कर सकें। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ लोकेश शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में देश पर में 250 के छाता-छाता एवं दिस्या ले रही है। विद्युत केन्द्रीय विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय और बनेनी एवं पांच लाख लक्षणे और "श्री बैतलाल गदिया प्रोफेसर श्रीनी श्रीनी" पुस्तकार के लग में द्रष्टव्य किया जाएगा। यू-यू के द्वारा दिये गए 156 प्रतियोगिताएँ ने आग विवाद और विषय से संबंधित विभिन्न विद्यालय द्वारा विद्या और विषय से संबंधित विद्यालय द्वारा आयोजित आयोजन में कुलपति प्रोफेसर आयोजन, प्रिया कुलपति संस्थान दीक्षित विभिन्न विद्यालयों के विभागों, एवं विद्यालयों उपर्युक्त

# सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय: सी. आर. चौधरी

युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा: कुलदिपति डॉ. गदिया

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ का समाप्त

आईएमएस लॉ कॉर्टेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रुपये नगद और "श्री नंदलाल गदिया मेरमारियल रनिंग ट्रॉफी" पुरस्कार

## राजस्थान दर्शन

**चित्तौड़गढ़ मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अखिल भारतीय श्री नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2023 का अंतिम दिन समाप्त हुआ। अंतिम दिन समाप्त के अवसर पर देश के कोने-कोने से आए प्रतिभागियों ने अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए संबोधित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनारस, हरिद्वार, नोएडा, अंजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार प्रस्तुत किये। दूसरे दिन आयोजित हुई डॉल्स भाषा की प्रतियोगिता में 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी**



प्रशासन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टिफिकेट और स्मृति चिह्न भी वितरित किए गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतारूं मुख्य अतिश्य पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व सांसद सी. आर चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मोहित करते हुए कहा कि सतत विकास मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है, हमें प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि भावी पीड़ियों के लिये इसको सजोकर रखना चाहिए। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं से अपने आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी संबोधन में कहा कि जिस प्रकार अपने रोजगार लेने वाले नहीं बल्कि रोजगार प्रदान करने में सक्षम बने ताकि एक युवा उद्यमी सेकड़ों युवाओं का भविष्य सुधार सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने %में इन ईड्डाएं और %स्टार्टअप्स% नीति भी चला रखी है ताकि

युवा खुद उधमी बनकर दूसरों को रोजगार उपलब्ध करा सके। विश्वविद्यालय में पूर्व में अपनी सेवा दे चुके सी. आर चौधरी ने स्वर्गीय श्री नंदलाल गदिया को उद्देश्य लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि सही प्रतिनिधि का चुनाव हो सके। कार्यक्रम के अंत में संयोजक डॉ. लोकेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य साधारण गदिया, कुलपति डॉ. आलोक मिश्रा, प्रतिकूलपति आनंदवर्धन शुक्ला, प्रतिकूलपति सर्वोत्तम दीक्षित सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राच्यापकाण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

### प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

अयोजन समिति अध्यक्ष डॉ. चित्रलेखा सिंह ने बताया कि पुत्रियोगिता में आईएमएस लॉ कॉर्टेज नोएडा की टीम को पांच लाख रुपये नकद और "श्री नंदलाल गदिया मेरमारियल रनिंग ट्रॉफी" पुरस्कार प्रदान किया गया। हिंदी माध्यम में प्रथम पुरस्कार विजेता (31000/-रु) आईएमएस लॉ कॉर्टेज नोएडा के जयंती मिश्र व मनीष कुमार और एलटीपीएस कन्या महाविद्यालय पाली के अदिति सिंह व दुर्गा कंवर रहे। द्वितीय पुरस्कार विजेता (21000/-रु) सोफिया गर्ल्स कॉर्टेज अजमेर की बृंदा पराशर व हर्षिता और एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी की राधी व सूरज मिश्रा रहे। तृतीय पुरस्कार विजेता (11000/- रु) देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के ऋत्तिक राजगौर व यशस्वी पांडे और लॉ कॉर्टेज देहरादून उत्तरांचल यूनिवर्सिटी के शताक्षी शर्मा व गौरवी महेश्वरी को मिला। हिंदी माध्यम में बेस्ट सीकर का पहला पुरस्कार भागवत यूनिवर्सिटी अजमेर की प्रिया डांगी व दूसरा पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के हिमाशु जिंदल को मिला वहीं अंग्रेजी माध्यम में बेस्ट सीकर का पहला पुरस्कार द आईसीएफएआई जयपुर की शिवानी बागवाल द्वितीय पुरस्कार पीजी कॉर्टेज चित्तौड़गढ़ की

# सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की अवधारणा पर काम कर रहा है मेवाड़ विश्वविद्यालय : सी. आर. चौधरी

**युवा शिक्षित होगा तभी देश उन्नति के मार्ग पर बढ़ेगा : कुलाधिपति डॉ. गदिया**

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वाद विवाद प्रतियोगिता का शुक्रवार को समाप्त

आईएएस लॉ कॉलेज नोएडा की टीम ने जीता पांच लाख रुपये व नवंग और "श्री नंदलाल गदिया नेनोटियल एनिंग ट्रॉफी" पुरस्कार

**सच मीडिया**

चिन्हाडगढ़(लाडव स्टोरी - अमित कुमार चेचारी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में एसेसिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय + ऑफिल भारतीय श्री



नंदलाल गदिया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता- 2023+ का समापन हुआ। अंतिम दिन चाहिए+ संबोधित विषय पर अपने समापन के अवसर पर देश के कोने-कोने से आएं प्रतिभागियों ने

अंग्रेजी भाषा में भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना देश के विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनासर, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर प्रतिभागियों में बढ़-

+ भाग लिया। चढ़कर भाग लिया और विषय पर गंभीरता के साथ अपने विचार अपने विभिन्न स्थानों दिल्ली, अलीगढ़, बनासर, हरिद्वार, नोएडा, अजमेर, जयपुर आदि से पहुंचकर हुई इम्प्रेशन भाषा की प्रतियोगिता में 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही 94 प्रतिभागियों ने भाग लिया वही

एक दिन पूर्व आयोजित हुई हिंदी भाषा प्रतियोगिता में 156 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। प्रतियोगिता में आए प्रतिभागियों ने मेवाड़ यूनिवर्सिटी प्रायसन द्वारा किए गए प्रबंधन की भी जमकर तारीफ की। इस मौके पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया और वहीं प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी को सर्टीफिकेट और सूची बिन्ह भी वितरित किए गए। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्व संसद सी. आर. चौधरी प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंचे और उन्होंने